

वीएनआर अमरुद की खेती से कृषक की आय में वृद्धि: एक सफलता की कहानी

(अमित कुमार¹, स्मिता अग्रवाल¹, आयुषी त्रिवेदी¹, एम के कुरील¹ एवं गुमान सिंह धाकड़²)

¹भगवंतराव मंडलोई कृषि महाविद्यालय, खंडवा

²प्रभारी, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी, पंधाना, खंडवा

संवादी लेखक का ईमेल पता: smitaagrwl558@gmail.com

कृषक द्वारा बताया गया कि पूर्व में सिर्फ एक वर्ष उनके द्वारा परंपरागत खेती में सोयाबीन एवं गेहू की खेती की क्योंकि किसान द्वारा अभी कुछ समय पहले ही खेत खरीदा गया था। जिसमें ज्यादा कोई लाभ नहीं हुआ।

कृषक द्वारा बताया गया कि उनको उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने अमरुद का फलोद्यान लगाने हेतु सलाह दी उसके बाद किसान द्वारा रायपुर (छ.ग.) से VNR अमरुद के पौधे खरीद कर वर्ष 2018-19 में पौधरोपण किया। किसान द्वारा बताया गया कि उनको पौधरोपण हेतु उद्यानिकी विभाग से वर्ष 2018-19 में फल क्षेत्र विस्तार योजना अंतर्गत 1.08 लाख रुपए की अनुदान राशि भी मिली।



किसान द्वारा लगभग 2 -2.5 वर्ष पश्चात् पहली बार वर्ष 2020-21 में फलबाहर ली जिसका उत्पादन लगभग 30-32 टन रहा एवं फलो की ग्रेडिंग एवं पैकिंग करके खंडवा से बाहर बेचा जिसका औसत मूल्य लगभग – 40-50 रुपए / kg रहा। जिससे अनुमानित आय लगभग 14.0 – 15.0 लाख रुपए हुई। ठीक इसी तरह किसान द्वारा बताया गया कि वर्ष 2021-22 में भी लगभग 40 – 50 टन उत्पादन हुआ जिसकी ग्रेडिंग एवं पैकिंग करके खंडवा से बाहर बेचा जिसका औसत मूल्य 40 – 50 रुपए / kg मिला जिससे अनुमानित आय लगभग – 17.0 – 18.0 लाख रुपए हुई।

वर्ष 2021-22 की जानकारी	कृषक का सामान्य परिचय
अमरुद फसल 1.80 हेक्ट की उपज लगभग = 40 – 45 टन	कृषक का नाम – श्री विठ्ठलदास शर्मा S/O श्री बाबूलाल जी
अनुमानित लागत लगभग – 2.50 – 3.0 लाख रुपए	ग्राम – लछौरा खुर्द
अनुमानित आय/ मुनाफा लगभग – 17.0 – 18.0 लाख रुपए	विकासखंड – पंधाना, जिला – खंडवा (म.प्र.)
शुद्ध मुनाफा लगभग – 14.50 – 15.0 लाख रुपए	कृषक का कुल रकबा – 1.80 हेक्टे. , रोपित उद्यानिकी फसलें – अमरुद (VNR अमरुद)
	उद्यानिकी फसल का कुल रोपित रकबा – 1.80 हेक्टे.